वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष(2007-2008)

सामाजिक शैक्षणिक विकास केन्द्र

(SSVK)

स्टेट कोऑर्डिनेशन आफिस, पटना :

लोक शक्ति भवन

अजय निलायन अपार्टमेन्ट के सामने

नागेश्वर कालोनी, बोरिंग रोड,

पटना 800001

उत्तर बिहार ट्रेनिंग-सह- फिल्ड आफिसः

जे0पी0ग्राम- बलभद्रपुर झंझारपुर (आर0एस0)

जिला- मधुबनी 847403

(बिहार)

Phone/FAX: 0612.2522077

Mobile No.: 9431025801

New Website:www.ssvk.org
old web:http://www.geocites.com/ssvkindia
e-mail:ssvkindia@gmail.com
:info@ssvk.org

Campus of North Bihar Field cum Training Centre

समाजिक शैक्षणिक विकास केन्द्र (SSVK) समाज के दलित शोषित उपेक्षित सर्वहारा और महिला वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने तथा समता मूलक समाज निर्माण की परिकल्पना को यर्थात करने वास्ते कुछ समाज सुधारकों एवं आन्दोलनकर्ताओं ने एस0एस0भी0के0 नाम से एन0जी0ओ0 का निर्माण वर्ष 1986 में किया । 1986 से लेकर 2008 तक कुल 22 वर्षो का लम्बा सफर राष्ट्रीय जन संगठन लोक शक्ति संगठन भारत के साथ अनेक्रो मुश्किलों एवं बाधाओं का सामना करते हुए तय किया और दिन प्रतिदिन इसकी तीव्रता बढती ही जा रही है । अपने इस कार्यावधि के दौरान अनेकों उपलब्धियों को समय - समय पर पत्र, पत्रिका, पुस्तक रिपोर्रताजों के माध्यम से जन-जन तक पंहुचाने का काम किया एवं लोग इससे लाभान्वित होते रहे हैं ।

S.S.V.K बिहार के कुल 18 जिला के 1709 गॉवों में 162355 परिवार के बीच कार्य कर रहा है । जिसमें कुल ग्राम कोष की राशि 13780150 तथा कुल 1039 ।**S.S.V.K.** में कुल 5 पूर्ण कालिक कार्यकर्त्ता तथा 12 पार्ट टाईम कार्यकत्ता एवं 1709 गॉव में कुल 3418 भोलेन्टियर जन संगठन लोक शक्ति संगठन के कार्यकर्त्ता सक्रिय है ।

S.S.V.K.उत्तरी बिहार के मधुबनी जिला अर्न्तगत झंझारपुर अनुमण्डल में अवस्थित है, जहॉ प्रत्येक साल बाढ़ के विभिषिका का सामना करना पड़ता है । यहॉ 6 नदियों का समागम स्थली है । बाढ़ राहत कार्यक्रम करने वास्ते कई देशी- विदेशी दाता संस्थाएँ आते है, और अपना - अपना सहयोग देते है । उसमें एस0एस0भी0के0 के साथ जुड़कर वर्ष 2007-2008 में काम करने वाले दाता संस्थाओं का नाम निम्न प्रकार है :-

1. एस0आर0सी0 स्वीट्जरलैण्ड
2. स्वीस लेवर स्वीट्जरलैण्ड थ्रू लाईफ हेल्प
3. ए0आई0डी0एम0 आई0, अहमदाबाद
4. गुंज , दिल्ली

5. हेल्पेज इन्डिया

6. ए0डब्लू0ओ0 इन्टरनेशनल जर्मनी थ्रू लाईफ हेल्प

इधर लोक शक्ति संगठन ने बिहार के बाढ से प्रथावित 22 जिलों का जायजा एवं देख- रेख हेतु(दलित वाच फोरम) का निर्माण किया गया । फोरम के तहत बिहार सरकार के साथ बाढ़ राहत से दलित वंचित न हो इसके लिए ।क्टव्बाब्ल कर रहे है । उक्त फोरम में लोक शक्ति संगठन / **S.S.V.K.** समेंत कुल 6 संगठनों का नेटवर्किंग है । लोक शक्ति संगठन बिहार ईकाई के 18 जिलों में संगठनात्मक कार्यक्रम चल रहा है । जिसमें 4 जिला क्रमशः मधुबनी , दरभंगा, सहरसा एवं सुपौल के 1399 गॉवों में सघन रूप से ग्रामकोष का कार्य चल रहा है । तथा प्रदेश के अन्य जिलों के 310 गांव में भी संगठन का काम चल रहा है ।

Dalit Watch in Digaster mitigation के कार्यक्रम के अन्तर्गत 22 जिलों का बाढ़ के समय प्रभावितों का सर्वे किया गया । एवं नेटवर्क दलित वाच के द्वारा संयुक्त रिपोर्ट प्रेस को तथा विपार्ड की बैढक में जारी किया गया । उक्त फोरम में कई बैठकें एवं लोक शक्ति संगठन के द्वारा 5 जिला पूर्णिया, मधुबनी , दरभंगा, सहरसा एवं सुपौल के 500 पंचायत स्तरीय लीडरों का प्रशिक्षण भी किया गया । ताकि दलितों में दलित महादलित बिहार सरकार के आपदा से जुड़े स्कीमो के लाभ सें वंचित न हो इसी सोंच के तहत दलित वाच फोरम का निर्माण किया गया ।

लोक शक्ति संगठन भारत की बिहार ईकाई बिहार के 18 जिलों में अपने गतिविधि के तहत ग्राम कोष का निर्माण संचालन एवं क्रियान्वयन का कार्य करती है । उक्त जिलों में से उत्तरी बिहार के 4 जिला क्रमशः मधुबनी , दरभंगा, सहरसा एवं सुपौल जिलों में सघन रूप से कार्य करती आ रही है । लोक शक्ति संगठन मुख्य रूप से समाज के दलित शोषित उपेक्षित एवं पिछड़े वर्गो को

संगठित कर आर्थिक स्वावलंबन हेतु ग्रामकोष का निर्माण सूदखोड़ों से मुक्ति पाने वास्ते किया गया । साथ ही उनमे आत्म विश्वास हो ताकि अपने हक और अधिकार को समझ कर उसे हासिल करे इसके लिए समय' समय पर प्रशिक्षण बैठक सम्मेलन धरणा , प्रदर्शण करते रहे है । इससे अनेको उपलब्धि हुई है जैसे - सरकारी स्कीमों का लाभ -

- इन्दिरा आवास 5642 परिवारो को
- बृद्धावस्था पेंशन 3292
- अन्त्योदय 2546
- अन्नपूर्णा 1669
- सामुहिक दलान(छतदार) 107
- सरकारी लौन 85
- सामुहिक शोचालय 56
- जॉव कार्ड 27697
- खाता खोला गया 25845
- कन्या विवाह योजना लाभ 455
- सौर उर्जा लाईट 261
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन 474
- सामुहिक दरवाजा (सेड) 48
- विद्यालय मरम्मत 306
- बी0पी0एल0 सुधार 12362
- नया चापाकल 1132

उपर्युक्त सभी स्कीमों का लाभ कार्यकर्त्ता प्रेरित पर समुदाय अपने सामुहिक पहल पर भिन्न - भिन्न कार्यालयों में जाकर उपलब्धि हासिल किया । इसके अलावे मिट्टीकरण एवं खरंजाकरण का कार्य 735 कि0मी0 करवाया गया । चारो जिला क्रमशः मधुबनी , दरभंगा, सहरसा एवं सुपौल में ग्रामकोष क्रियान्वयन कार्यक्रम चल रहा है । जिसके खाता में कुल 8656562 रू0 है । ग्राम कोष के सहयोग से समुदाय अपने आप में आर्थिक दृष्टिकोण से स्वावलम्बी महसूस करते है । इससे कई तरह के सामुहिक एवं व्यक्तिगत कार्य भी किया गया है जैसे - समुदाय खासकर ग्रामकोष से जुड़े हुए सदस्य के परिवार में अगर कोई बिमार पड़ता है तो ग्राम कोष से ही ऋण लेकर इलाज करवाते है । विवाह शादी एवं जमीनी संघर्ष में भी ग्रामकोष काफी कारगर शिद्ध हुआ है ।

संगठन से जुड़े समुदाय के लोगो में दिनानुदिन परिवर्तन झलकने लगा है जैसे जादू टोना पर विश्वास नही करना ।

- ❖ साफ सफाई पर घ्यान देना
- ❖ बच्चों को विद्यालय भेजना
- ❖ गर्भवती माँ को समय -समय पर जांच कराना एवं टीका लगवाना ।
- ❖ नवजात शिशु का देख-रेख करवाना
- ❖ स्वच्छ प्रसव करवाना ।
- ❖ सामाजिक स्तर में सुधार

स्वयं सहायता समुह (S.H.G.) का भी गठन चारों जिला में 465 ग्रुपों का निमार्ण वर्ष 2007-08 में करवाया गया, जिसका देख - रेख समुदाय के गाँव स्तर के ही लोग करते है । उक्त ग्रपों में प्रथम ग्रडिंग 245 एवं द्वितीय ग्रेडिंग 87 को हो चुका है । 133 ग्रुपों के लिए ग्रेडिंग वास्ते प्रक्रिया चल रही है । इस ग्रुपों के निर्माण से आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और महिलाओं को प्रखण्ड स्तर पर स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षित भी किया गया है । जिसके कारण

ग्रीमीण स्तर की महिला खुद रोजगार करना शुरू कर दी है । महिलाओं में रोजगार करने वास्ते आत्म विश्वास पैदा हुआ है और प्रखण्ड कार्यालय से जुड़कर कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं की भी जानकारी प्राप्त करती है । जिससे योजना का लाभ महिलाओं को मिल रहा है ।

Right to Information सुचना का अधिकार वास्ते संगठन के लोगों को फायदा मिल रहा है , जिसके कारण सरकारी योजनाओं का सही क्रियान्वयन गॉव पर होने लगा है । जहॉ पर समुदाय के लोगो को किसी प्रकार की कठिनाई होती है तो संगठन कार्यालय से संपर्क कर सुझाव लेकर उस कठिनाईयों को दूर करते है । सूचना की जानकारी लेना होता है । संगठन कार्यालय से फारमेंट समुदाय के लोग लेते है और फिर संबंधित कार्यालय में आवेदन देते है । **S.S.V.K.** ने ही सर्वप्रथम आर0टी0आई कानून लागू करने संबंधी आंदोलन वर्तमान उप-मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी के साथ मिलकर शुरू किया था बिहार में ।

<u>जमीन एवं तालाव</u>

जमीन का प्रकार - 1- भूदानी 2- सिलिंग 3- वासगीत 4- गैरमजरूआ संगठन के पहल पर समुदाय में जागरूकता आया है और समुदाय उक्त भूमि को हासिल करने वास्ते चारों जिला में संधर्षरत है उदाहरणस्वरूप भूदानी पर्चा 1088 है जिसमें 367 व्यतियों को कुल 431 विघा जमीन दखल में है बांकि पर्चा धाारी अपने' अपने जमीन के दखल कब्जा वास्ते आवेदन संबंधित कार्यालय में देकर संघर्षरत है ।

<u>सिलिंग</u>

पर्चाघारी 382 है । जिसमें कुल 238 पर्चाघारियों के बीच जमीन 280 .8 वीघा जमीन पर समुदाय का अधिकार हो चुका है एवं खेती करते है शेष 144 पर्चाघारियों ने जमीन दखल वास्ते प्रयासरत है ।

वासगित - 3640 परिवारों को पूर्व में 27 वीघा जमीन का पर्चा मिला था । जिसपर समुदाय के लोग अपना घर बनाकर रह रहे है । बांकी बचें शेष पर्चाधाारी 728 परिवारों को वर्ष

2007–2008 में पर्चा के लिए आवेदन संबंधित कार्यालय को दिया गया है एवं समुदायिक पहल पर संबंधित पदाधिकारियों पर दवाब बनाया जा रहा है ।

गैरमजरूआ – 692 .5 वीद्या में से 272 वीद्या जमीन कुल 456 व्यक्ति दखल कर खेती से लाभान्वित हो रहे है और 267 परिवारों को घर बनाने के लिए भी जमीन नही था वो उक्त जमीन पर ही घर बनाकर रह रहे है । बांकि 289 परिवार शेष जमीन में कृषि कार्य करते है ।

तालाब – कुल तालाब की संख्या 65 हे चारो जिला में 48 तालाबो पर समुदाय का पूर्ण रूपेण कब्जा है बांकि बचे 17 तालाव पर संधर्ष जारी है । हासिल किये गये तालाब में मछली एवं मखाना का खेती किया जा रहा है , जिससे 3365 लोग सपरिवार गुजर बसर करते है । उक्त मालाब से वार्षिक आय 1680000 आता है । उक्त आमदनी से जहॉ एक ओर आर्थिक सुदृढ़ीकरण हेा रहा है तो दूसरी ओर समुदाय सिंचाई का काम भी करते है । जरूरत की भरपाई होता है ।

संगठन एवं सामुदायिक पहल पर रोजगार गारण्टी योजना का खाता खुल रहा है अभी तक 25845 लोगों का चारों जिला में खाता खुल चुका है और खाता खुलवाने की प्रक्रिया रोजगार सेवक द्वारा जारी है । ज्ञात हो कि चारों जिला में लोग शक्ति संगठन से जुड़े मजदूर लगभग 247852 है । वर्ष 2007–2008 में रोजगार गारण्टी योजना के तहत कुल 82617 मजदुरों को रोजगार मुहैया कराया गया । शेष मजदूर वेरोजगार है ।

स्वास्थ्य – संगठन एवं सामुदायिक पहल पर स्वच्छ प्रसव करवाने वाली महिलाओं की संख्या –2238 है उक्त महिला प्रसव से पहले पूरे देख – रेख के तहत आयरण की गोली , टी0टी0 सूई, समय–समय पर गर्भ जांच, वजन और उनके परिवार में उपलब्ध खान ‘ पान हरे पत्तेदार शब्जी साग सेवन के लिए प्रेरित किया गया । सभी स्वास्थ्य केन्दों पर गर्भवती महिला एवं नवजात शिशु को आवश्यक आवश्यकता को घ्यान में रखते हुए सारी सुविधा उपलब्ध करवाया गया । जैसे

- आयरण की गोली
- बी0सी0 जी0
- डी0पी0टी0
- पोलियों
- विटामीन ए
- टी0टी0

इसके अलावे संगठन के पहल पर स्वास्थ्य शिविर लगाकर टीकाकरण किया गया । स्वच्छ पेयजल हेतु आवश्यक जगहों पर नया चापाकल वास्ते संबंधित कार्यालय एवं पंचायत स्तर पर आवेदन दिया गया फलस्वरूप चारों जिला में 1132 चापाकल गरवाया गया एवं 336 पुराना चापाकल का उखाड- गाड़ भी करवाया गया ।

<u>आंगणवाड़ी केन्द्र -</u> संगठनात्मक क्षेत्र चारो जिला में कुल आंगनवाड़ी केन्द्र 652 है । संगठन के पहल पर आंगनबाड़ी केन्द्र को नियमित करवाया गया । उक्त केन्द्र में 0-6 वर्ष के कुपोषित कुल 26752 वच्चे को जोड़ा गया है जिन्हे पोष्टिक आहार में चॉकलेट , खिचड़ी, खिलौना दिया जा रहा है । संगठन के पहल पर आंगनवाड़ी केन्द्र से प्रा0 विद्यालय में जुड़ने वाले बच्चों की संख्या 12045 है को वर्ष 2007-2008 में दाखिला करवाया गया ।

आवाशीय विद्यालय में दाखिला करवाने वाले बच्चों की संख्या 126 है ।

<u>प्रा0 शिक्षा -</u> में मध्यान्ह भोजन नियमित रूप से चल रहा है । मध्यान्ह भोजन बनाने वाले में अधिकतर समुदाय के ही लोग है । संगठन एवं समुदाय के पहल पर ग्राम शिक्षा कमिटी को सक्रिय रूप से बच्चों के देख - भाल की जिम्मेवारी सौपी गई है । बच्चों को समय पर विद्यालय जाने के लिए कहते है । बहुत से ऐसे गांव है जहॉ सरकार के द्वारा शिक्षा समिति के समुदाय के लोग प्रमुख पद पर है । शिक्षको की बहाली से विद्यालय में शिक्षक एवं बच्चों का अनुपात सामान्य है और शैक्षणिक स्तर में

गुणवत्ता बदलाव भी देखने को मिलता है ।

छात्रबृत्ति से लाभान्वित बच्चों की संख्या - 8458

Dalit Watch in digaster mitigation

दलित वॉच कार्य क्षेत्र जिला 2 मधुबनी , दरभंगा

प्रखण्ड 6

मधुबनी जिला में 3 प्रखण्ड - झंझारपुर , लखनौर, मधेपुर

दरभंगा जिला में 3 प्रखण्ड - गोरा बोराम, घनश्यामपुर , किरतपुर

दलित वॉच मुख्यरूप से बिहार के 22 जिला में दलितों को बाढ़ सहाय के अर्न्तगत जो सरकारी स्कीम है उसका सही क्रियान्वयन दलितो के बीच हो इसके लिए ।कअवबंबल का कार्य करने के लिए दलित वॉच फोरम का गठन वर्ष 2007 से किया गया । इस नेटवर्क में कुल 6 संगठन हैं जो निम्नलिखित है :-

1- N.C.D.H.R.
2- दलित समन्वय
3- बाढ सुखाड़ अभियान
4- बचपन वचाओं आन्दोलन
5- नारी गुंजन
6- लोक शक्ति संगठन भारत

उक्त फोरम के निर्माण से दलित जो बाढ राहत से वंचित रह जाता था । अब दलितों से ही बाढ रालत बांठने का कार्य शुभारम्भ होगा और एक भी दलित परिवार के लोग इस स्कीम से वंचित नही होगा ऐसा संकल्पित दलित वॉच के कार्यकर्त्ता है । अगर किसी प्रकार की कहीं भी अनियमितता होगी तो सरकार से परामर्श कर दलित को अधिकार दिलाया जायेगा । आपदा राहत में दबंग एवं धनी व्यक्ति को प्रयाप्त बाढ़ राहत का सामान मिल जाता था और दलित वंचित रह जाते थे । अब ऐसा नही होगा । दलित वॉच इसके लिए दृढ संकल्पित है ।

ग्रामकोष की समीक्षा सशक्तिकरण के लिए प्रस्तावित 2 दिवसीय सम्मेलन का आयोजन 2008 में होना है । इसके लिए ग्रामीण कार्यकर्ताओं की बैठक की गई है जिसकी अध्यक्षता श्री सूर्य नारायण सदाय एल0एस0एस0 प्रदेश संचालक ने किया और उसी बैठक में तय किया गया कि जिला स्तरिय सम्मेलन किया जाय । इस सम्मेलन में ग्राम कोष प्रबंधन , एवं विस्तारीकरण पर बल दिया जायेगा । इसकी परिकल्पना एवं सुदृढिकरण राष्ट्रीय स्तर पर पंहुचाने का काम किया जायेगा । ताकि आर्थिक रूप से कमजोर दलित शोषित एवं अन्य लोगो को ग्रामकोष की उपयोगिता एवं व्यवहारिकता की पूर्ण जानकारी हो सके । खासकर प्रबन्धन के क्षेत्र में और सुदृढिकरण एवं त्रीवता की जरूरत है ऐसे साथियों का विचार आया ।

वर्ष 2007-2008 में वितरित की गई सामग्री

प्रोजेक्ट				
		कार्यक्षेत्र	लाभान्वित परिवारों की संख्या	सामाग्री
1	एस0 आर0सी0	जिला - दरभंगा प्रखण्ड ' घनश्याामपुर कुल पंचायत-12 राजस्व गॉव -15 कुल गॉव/टोला - 55	4000	1. नाव - 1 पीस 2. चावल, चूरा,दाल,नमक, हल्दी, -10 दिन के लिए । 3. पोषाहार , दवा जरूरतनुसार 4. पोलीथिन सीड्स-1727 5. नया चापाकल - 31 6. पुराना चापाकल उखाड़/ गाड़ 55 7. मरम्मत चापाकल - 10 8. कम्बल - 8000 पीस प्रति परिवार दो कम्बल ।
2	ऑल इण्डिया डिजास्टर मिटिगेशन इन्स्टीच्यूट अहमदाबाद	जिला - मधुबनी प्रखण्ड - लखनौर जिला - दरभंगा प्रखण्ड - किरतपुर	1500	1. 10 दिन के लिए चावल, चूरा, दाल, नमक हल्दी, मिर्चा एवं बिस्कुट 2. पोषाहार(1माह के लिए)

				3. पोलीथिन सीड्स–3000 पीस 4. कम्बल – 3000 पीस
3	लाईफ हेल्फ चेन्नई	जिला – मधुबनी प्रखण्ड – 1.झंझारपुर 2.मधेपुर	3117	1.प्रति परिवार चावल– 30 विलो0 ऑटा– 15 कि0लो0 दाल – 5 कि0लो0 2.हेल्थ कैम्प द्वारा आवश्यकतानुसार दवा
			14032 रोगी	जिला – मधुबनी मधेपुर, झंझारपुर, मधुबनी लखनौर प्रखण्ड
4	गूंज– नई दिल्ली	प्रखण्ड – 1 लखनौर 2.मधेपुर जिला – दरभंगा प्रखण्ड – 1.तारडीह 2. गोड़ा बोराम 3. किरतपुर जिला – सहरसा प्रखण्ड – महिषी जिला – सुपौल प्रखण्ड – मरौना	 561 651 621 932 365 200 503	कपड़ा 3044 पीस 2739 पीस 2484 पीस 4128 पीस 1660 पीस 1265 पीस 2412 पीस
5.	हेल्पेज इंडिया	जिला – मधुबनी प्रखण्ड – झंझारपुर	 625	 3000 रोगियों को आवश्यकतानुसार दवा

5. गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित बच्चों के बीच पोषाहार वितरण
6. मुफ्त कपड़ा वितरण कार्यक्रम
7. आपदा न्यूनीकरण प्रशिक्षण
8. स्वच्छ पेय जल (चापाकल) आपूर्ति

9. नाव वितरण

संगठनात्मक कार्यक्रम –

1. रोजगार गारण्टी योजना के बारे में जागरूकता
2. ग्राम कोष की संचालन एवं देख – रेख
3. सरकारी आपदा कार्यक्रमों के साथ एडवोकेसी
4. लक्ष्य समुदाय को अपने अधिकार के प्रति जागरूक करना
5. सूचना के अधिकार कानून के प्रति लक्ष्य समुदाय को जागरूक करना
6. सरकारी विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लक्ष्य समुदाय को जागरूक करना एवं लाभान्वित करना ।
7. स्थानिय समस्या एवं मुद्दों को मिडिया , पेपड़ बुक लेट द्वारा उठाना

उपलब्धि –

1. ऑल इण्डिया डिजास्टर मिटिगेशन अहमदावाद परियोजना से एस0एस0भी0के0 के कार्य क्षेत्र में 1500 परिवारों के बीच बाढ राहत सामग्री दी गई ।
2. मधुबनी जिला के लखनौर प्रखण्ड में 1000 परिवार को दस दिन के लिए 10 कि0ग्रा0 चावल 2 कि0ग्रा0 मसूर की दाल 10 कि0ग्रा0 चूरा, नमक हल्दी एवं मिर्चा गुण्डी का वितरण किया गया ।
3. लखनौर प्रखण्ड के 750 विस्थापितों परिवार को पोलीथिन वितरण किया गया जिससें लोगो को बाढ के पानी एवं वर्षा के पानी से बचाया गया ।
4. ऑल इण्डियॉ डिजास्टर मिटिगेशन इन्स्टीच्यूट अहमदाबाद द्वारा लखनौर प्रखण्ड के 200 गर्भवती महिलाओं एवं 78 कुपोषित बच्चों को एक माह के लिए पोषाहार एवं गुड़ वितरण किया गया ।
5. लखनौर प्रखण्ड के 1000 बाढ प्रभावित परिवारो के बीच 2000 पीस कम्बल वितरण किया गया ।

6. ऑल इण्डियॉ डिजास्टर मिटिगेशन इन्स्टीच्यूट अहमदाबाद द्वारा दरभंगा जिला के किरतपुर प्रखण्ड में 500 परिवारों के बीच राशन चावल दाल नमक चूरा का वितरण किया गया ।

7. 500 परिवारों के बीच 1000 पीस कम्बल वितरण किया गया ।

8. किरतपुर प्रखण्ड के 250 विस्थापितों को पोलीथिन सीड्स वितरण किया गया एवं 100 गर्भवती महिलाओं एवं 50 कुपोषित बच्चों को एक माह के लिए पोषाहार वितरण किया गया ।

9. ऑल इण्डियॉ डिजास्टर मिटिगेशन इन्स्टीच्यूट अहमदाबाद द्वारा बाढ प्रभावित के नेतृत्वकर्ताओं को आपदा न्यनीकरण एवं बाढ प्रभावित क्षेत्रों में रोजगार की बवसर प्रदान हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया ।

10. आपदा न्यूनीकरण आपदा पर एडवोकेसी के लिए एवं संस्थाओं संगठनों के नेटवर्किंग के लिए अहमदाबाद में कार्यशाला का आयोजन किया ।

11. स्वीस लेवर असिस्टेन्स स्वीटज्रलैण्ड एवं ए0डबलू0 ओ0 उन्टरनेशनल ई0भी0 जर्मनी थ्रू लाईफ हेल्प , चेन्नई ।

12. उपर्युक्त फंडिंग द्वारा चेन्नई के एम0बी0बी0एस0 डॉक्टरों द्वारा मधुबनी जिला के झंझारपुर,लखनौर एवं मधेपुर प्रखण्ड के 24 विभिन्न स्थानों पर 12658 बाढ़ प्रभावित मरीजों को इलाज कर मुफ्त चिकित्सा सहायता दिया गया ।

13. इस कैम्प द्वारा विभिन्न प्रकार की बिमारी जैसे शर्दी , बुखार उल्टी दस्त मलेरिया , जख्म, डायरिया इत्यादि तरह के रोगियों का ईलाज किया गया ।

14. उपर्युक्त फंडिंग द्वारा लखनौर एवं मधेपुर प्रखण्ड के 3117 बाढ़ प्रभावित ररिवारों को 30 कि0ग्र0 चावल 15 कि0ग्र0 आटा एवं 5 कि0ग्रा0 राहर की दाल एक माह का भोजन सामग्री दिया गया ।

स्वीस रेड क्रास

15. एस0आर0सी0 परियोजना से दरभंगा जिला में इस वित्तीय वर्ष में 4000 परिवारों के बीच बाढ राहत सामग्री दिया गया ।

16. बाढ राहत दरभंगा जिला के घनश्याामपुर प्रखण्ड के 12 पंचायत में 55 गॉव/ टोला में अत्यधिक बाढ प्रभावितों के बीच दिया गया ।

17. 4000 परिवारों तत्कालीक 10 कि0ग्रा0 चूरा 1 1/2 कि0ग्रा0 मसूर की दाल 4000 पैकेट नमक 2000 कि0ग्रा0 गूड़ 100 ग्रा0 प्रति परिवार हल्दी वितरण किया गया ।

18. घनश्याामपुर प्रखण्ड के 4000 परिवार में 1727 विस्थापितो परिवारों के बीच प्रति परिवार एक-एक पीस पोलोथिन सीड्स कुल 1727 पोलोथिन सीड्स वितरण किया गया और भोजन की सामाग्री भी दिया गया ।

19. 4000 परिवार के बीच सभी गर्भवती महिलाएँ एवं कुपोषित बच्चों को पोषाहार वितरण किया गया जिससे गर्भवती माताओं को स्वस्थ्य बच्चे हो और कुपोषित बच्चे स्वस्थ्य हों ।

20. एस0आर.सी0 परियोजना द्वारा घनश्याामपुर प्रखण्ड के सभी 55 गांव में दो स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता एक माह तक गॉव गॉव में जगह - जगह कैम्प लगाकर दवा वितरण किये।

21. गॉव में मलवा जमा होने के कारण या पानी के प्रदूषण के कारण महामारी जैसी बिमारी न हो इसके लिए संस्था के स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता सरकारी डाक्टरो और नर्सो से संपर्क कर गॉव - गॉव में डी0डी0 टी0 का छिड़काव करवाया ।

22. बाढ के तुरन्त बाद कई गॉव में डायरिया चेचक जेसी महामारी बिमारी होने के कारण उस गॉव में बिमारी से कोई भी व्यक्ति मरे नही इसके लिए संस्था तरफ से स्वच्छ पानी एवं दवा उपलब्ध करवाया गया । स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा पुनहद

एवं दथुआ गॉव में महामारी होने पर अनुमण्डल पदाधिकारी को आवेदन देकर गॉव में कैम्प लगवाया जिससे विमारी का रोक थाम हुआ ं

23. इस 55 गॉव के 4000 परिवार के बीच प्रति परिवार दो कम्बल कुल 8000 पीस कम्बल बितरण किया गया ।

24. एस0आर0सी0 परियोजना के द्वारा लोगों को स्वच्छ पानी मिले इसके लिए 31 गॉवों में 31 चापाकल सामूहिक स्थान पर दिया गया एवं 65 सामुहिक स्थानों पर पुराने चापाकल को उखाड़, गाड; तथा मरम्मति किया गया ।

25. कुल 96 नयेएवं पुराने चापाकल में संस्था द्वारा नाला एवं एक चट्टा साथ में लगाया गया ।

26. बाढ राहत वितरण स्वीस रेड क्रास स्वीट्जरलैण्ड एवं आई0आई0डी0एस0 के प्रतिनिधि द्वारा राहत वितरण का मानिटरिंग किया गया ।

27. एस0आर0सी0 पार्टनर के साथ कई बार नेटवर्किंग बैठक किया गया और आपदा प्रबंधन कार्यक्रम पर विचार किया गया । इसमें ग्रामीण कार्यकत्ताओं का आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण पारम्परिक दाई तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ता का एवं 200 अनाज बैंक स्वीकृत किया गया।

<u>गूंज</u>

28. गूंज द्वारा मधुबनी जिला के लखनौर एवं मधेपुर प्रखण्ड दरभंगा जिला – ताराडीह किरतपुर एवं गोड़ा बौराम प्रखण्ड , सहरसा जिला के महिषि प्रखण्ड एवं सहरसा जिला के मरौना प्रखण्ड में कपड़ा वितरण काम किया गया ।

29. सभी प्रखण्ड के 3833 परिवार के बीच17732 पीस कपड़ा वितरण किया गया ं।

30. गूंज द्वारा प्रथम वर्ष से लेकर व्यस्क एवं बूढे तक का कपड़ा वितरण किया गया।

- सभी परियोजनाओं एस0एस0 भी0 के0 एवं ग्रामीण के सहयोग से क्रियान्वित किया गया । इसको करने के लिए कॉमनीटि के लोगों द्वारा ही प्रखण्ड स्तर पर बाढ प्रभावित सर्वेक्षण कमिटि , प्रचेजिंग कमिटि वितरण एवं निगरानी कमीटि गठित कर बाढ राहत कार्य को क्रियान्वित किया गया ।

1. वितरण स्थल एवं सड़क के किनारे पारदर्शिता के लिए साईनबोर्ड लगाकर जिसमे प्रभावित गॉव , प्रभावित परिवारों की संख्या उनको मिलने वाली सामग्री की मात्रा , एवं अबधि साईन बोर्ड पर अंकित कर राहत वितरण कार्य पूर्ण किया गया।
2. टोकन सिस्टम से राहत वितरण किया गया जिसपर लााभान्वितो को नाम, मिलने वाली सामग्री किलो ग्रात मात्रा में, अवधि दर्शाकर वितरण किया गया ।
3. वितरण स्थल पर लाभान्वित एवं गठित कमिटियों के समक्ष सही वजन सही क्वालिटी कांटा तराजू बंटखड़ा लगाकर राहत सामग्री दी गई ।
4. बाढ प्रभावितों को राहत वितरण स्थल पर आने एवं सामग्रियॉ ले जाने में किसी प्रकार की कठिनाइ।यों का सामना न करना पड़े इसके लिए ट्रैक्टर तथा नाव से उनको घर से लाना एवं राहत देकर ट्रेक्टर तथा नाव से उन्हे घर तक पंहुचाने का काम किया ।
5. मधुबनी, दरभंगा, सहरसा तथा सुपौल कोशी क्षेत्र इस वित्तिय वर्ष में बाढ से अत्यधिक प्रभावित था । वहॉ पर हमारी संस्था एस0एस0 भी0 के0 के सिवाय दूसरा कोइ संस्था या संगठन वहॉ काम नही कर रहे थें । इसकी चर्चा एस0एस0 भी0 के0 सचिव दीपक भारती द्वारा ।कअवबंबल विपार्ड पटना की बैठक में उठाई गई । परिणामस्वरूप अन्य डोनर स्वयं सेवी संस्था भी उस दुर्गम क्षेत्र में काम करना शुरू किया ।

(दीपक भारती)
सचिव